प्लेटो की न्याय सम्बन्धी धारणा

रिपब्लिक का सबसे अधिक महत्वपूर्ण विषय न्याय की प्रकृति एवं उसके आधिवास (निवास) की खोज करना है, रिपब्लिक में उसकी इस न्याय सम्बन्धी धारणा को इतना प्रमुख स्थान प्राप्त है कि रिपब्लिक का उपशीर्षक न्याय से सम्बन्धित (Concerning Justice) रखा गया है।

वर्तमान में न्याय शब्द का प्रयोग कानून के आधार पर न्यायाधीश द्वारा दिये गये निर्णय के लिए किया जाता है, किन्तु प्लेटो ने न्याय शब्द का प्रयोग वैधानिक अर्थ में न करके नैतिक अर्थ में किया है। इसके द्वारा न्याय शब्द का प्रयोग धर्म (नैतिक) के पर्यायवाची के अर्थ में किया गया है। इसका अर्थ केवल यह है कि मनुष्य अपने उन सभी कर्तव्यों का पालन करे, जिनका पालन समाज की आवश्यकता एवं हित की दृष्टि से किया जाना आवश्यक है। प्लेटो का कहना है कि समाज अथवा राज्य समाज की आवश्यकता और व्यक्तित्व की योग्यता को दृष्टि में रखते हुए प्रत्येक व्यक्ति के लिए कुछ कर्तव्य निश्चित करते हैं और प्रत्येक व्यक्ति द्वारा सन्तोषपूर्वक अपने-अपने कर्तव्य का पालन करना ही न्याय है।

Scanned with CamScanner

प्लेटो के समय में प्रचलित न्याय सम्बन्धी धारणाएं

① ⇒ परम्परागत सिद्धान्त - परम्परागत न्याय का सिद्धान्त नैतिकता के विचारों पर आधारित है। सेफालस के अनुसार - सत्य बोलना और दूसरों के ऋण को चुका देना ही न्याय है।

पोलीमार्कस - प्रत्येक व्यक्ति को उसके प्रति उचित व्यवहार करना ही न्याय है।

② ⇒ क्रान्तिकारी सिद्धान्त - इस धारणा का प्रतिपादन सोफिस्ट वर्ग के प्रतिनिधि थ्रेसीमेकस ने किया है। यह धारणा शक्ति ही सत्य है (Might is Right) के विचार पर आधारित है।

थ्रेसीमेकस - शक्तिशाली का हित साधन ही न्याय है। इसके थ्रेसीमेकस दो बातें कहता है।

(i) शासक वर्ग स्वयं अपने हितों की रक्षा के लिए ही शासन करता है।

(ii) अन्याय न्याय से श्रेयस्कर है।

③ ⇒ कार्यकारण सिद्धान्त - इसके अनुसार न्याय एक कृत्रिम वस्तु है इसका आधार कोई शाश्वत नियम न होकर समयानुसार बदलती हुई परम्पराएं हैं। प्राकृतिक अवस्था में निर्बल मनुष्यों को अनेक कष्ट उठाने पड़ते थे, इसलिए उन्होंने इसका त्याग कर एक समझौता किया, जिसके आधार पर कानूनों का निर्माण हुआ, जो मानवीय व्यवहार और न्याय का मापदण्ड निर्धारित करते हैं। दण्ड की शक्ति के भय के कारण ही मनुष्य न्याय के आधार पर कानूनों का पालन करते हैं। अतः न्याय भय का शिशु है। - ग्लॉकन

Scanned with CamScanner

प्लेटो के न्याय सिद्धान्त की विशेषताएं

- नैतिक सिद्धान्त न कि वैधानिक

⇒ न्याय जीवन का एक आन्तरिक तत्व और सन्तुलनकारी घाला

- न्याय कृत्रिम या बाह्य वस्तु न होकर मनुष्य के अन्तःकरण की एक पवित्र भावना है जिसका आधार आत्मसंयम एवं आत्मत्याग है। इसमें इस बात पर बल दिया गया है कि जीवन में आदि को नहीं वरन् सन्तुलन को अपनाया जाना चाहिए।

- कार्य विशेषीकरण का सिद्धान्त

⇒ अति व्यक्तिवाद का विरोधी और सावयव एकता का सिद्धान्त

- न्याय सिद्धान्त की एक प्रमुख मान्यता यह है कि व्यक्ति समष्टि का एक अंग है और समाज के विकास में ही व्यक्ति का विकास निहित है। कार्य विशेषीकरण का सिद्धान्त वर्गों एवं व्यक्तियों में भिन्नता उत्पन्न करने के लिए नहीं वरन् एकता उत्पन्न करने के लिए अपनाया गया है।

- दार्शनिक शासक - न्याय की प्राप्ति के लिए यह आवश्यक है कि राज्य की शासन व्यवस्था विवेकशील, निःस्वार्थी और कर्तव्यपरायण व्यक्तियों के हाथ में हो। उपर्युक्त गुणों से युक्त व्यक्ति को ही प्लेटो के द्वारा दार्शनिक शासक का नाम दिया गया है।

Scanned with CamScanner

प्लेटो के न्याय सिद्धान्त की आलोचना

- कानूनी धारणा नहीं, वरन एक नैतिक धारणा
- दार्शनिक वर्ग को समस्त शक्तियाँ प्रदान करना अनुचित
⇒ मनुष्य और समाज का सर्वांगीन विकास सम्भव नहीं - इसमें प्रत्येक व्यक्ति को केवल एक ही कार्य तक सीमित कर दिया गया है और इसका लक्ष्य व्यक्ति की एक ही प्रकृति का विकास है। केवल एक ही कार्य पर बल देने से व्यक्ति की अन्य योग्यताएं। दूसरे शब्दों में व्यक्ति का सर्वांगीन विकास नहीं हो पाता और इसके अभाव में समाज का सर्वांगीन विकास भी सम्भव नहीं हो।
- गुणों के निर्धारण का कोई आधार नहीं
⇒ वर्तमान समय के राज्यों पर लाए करना सम्भव नहीं - प्लेटो के समय में थोड़ी जनसंख्या वाले राज्य थे किंतु वर्तमान समय में राज्यों की जनसंख्या करोड़ों में होती है। इन राज्यों की जनसंख्या को तीन वर्गों में विभाजित कर प्रत्येक व्यक्ति के लिए कार्य निश्चित कर पाना संभव नहीं है।
⇒ सर्वाधिकारवाद का मार्ग प्रशस्त होना - समाज के किस व्यक्ति को किस श्रेणी में रखा जाय, इसका निर्णय शासक वर्ग ही करेगा। शासक वर्ग की शक्ति की सीमा नहीं है और उसे सदैव शासक वर्ग ही बने रहना है। ये मार्ग सर्वाधिकारवाद की ओर ले जाते हैं। कार्लपापर ने भी ऐसा ही कहा है
- वर्गीय विशेषाधिकारों का समर्थन अनुचित

Scanned with CamScanner